जानो पड़सी रे पंछी यह बागा में छोड़ भजन लिरिक्स

जानो पड़सी रे पंछी,

दोहा – यो मैलो संसार रो,
अटे आवण जावण कि रित,
ऐसी करणी कर चलो बिरा,
थारा दुनीया गावे गीत।

जानो पड़सी रे पंछी,
यह बागा में छोड़,
एक दिन जाना पड़सी रे।bd।

किया घोंसला चुनचुन तिनका,
पर तेरा विश्वास ना क्षण का,
किया साथ थे किनका किनका,
छोड़ियां सरसी रे ओ पंछी,
सब सगिया को साथ,
एक दिन जाणो पडसी रे।bd।

जब तक है पिंजरा में वासा,
तब तक है दुनिया को आशा,
तब तक है बन माई बासा,
टेम निकलसी रे हो पंछी,
जो करणो जट करले,
फेर फचताणो पडसी रे।bd।

अब ऊडबा को आग्यो दिनडो,
बिलक बिलक बिलकावे जीवडो,
जतना सु राखयो कर बनडो,
जाणो पडसी रे पंछी,
यह बागा ने छोड जाना पड़सी रे।bd।

जाणो पड़सी रे पंछी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

यह बागा में छोड़,
एक दिन जाना पड़सी रे।bd।

Singer – Ratan Lal Prajapati
Upload By – Hari Shankar Mali
9672143880

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com